>

Title: Regarding alleged conspiracy to demolish the holy Ram Sethu in the name of Sethu Samudram Project.

योगी आदित्यनाथ (गोरखपुर): सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से एक महत्वपूर्ण मुद्दे की ओर सदन का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूँ। केंद्र सरकार ने उच्चतम न्यायालय में सेतु समुद्रम परियोजना पर एक नया शपथ पत्र पेश किया है। जिसके तहत सरकार ने यह कहा है कि यह राम सेतु हिंदू धर्म का आवश्यक अंग नहीं है।

महोदय, केंद्र सरकार ने सेतु समुद्रम परियोजना के संदर्भ में गठित आर.के. पचौरी समिति की रिपोर्ट को भी खारिज किया है। इस समिति ने पर्यावरण और आर्थिक दृष्टि से भी इस परियोजना को आगे न बढ़ाने का सुझाव दिया था। केंद्र सरकार द्वारा आर.के. पचौरी समिति की रिपोर्ट को खारिज करना और जो नया शपथ पत्र दाखिल किया गया है, यह हिंदू धार्मिक विश्वासों के साथ-साथ पर्यावरण के महत्व की भी अनदेखी करता है।

महोदय, यह सब जानते हैं कि सेतु समुद्रम परियोजना के लिए अगर श्रीराम सेतु को तोड़ा जाता है तो यह वहां की पारिस्थितिकीय तंत्र के लिए खतरनाक है और वहां के समुद्री जीव-जंतुओं के साथ-साथ प्राकृतिक संपदा, क्योंकि थोरियम का जो विशाल भण्डार भारत के अंदर है, उसमें सर्वाधिक उसी क्षेत्र में है, उसके भी नष्ट होने की प्रबल संभावनाएं हैं। जो सेतु समुद्रम प्रोजेक्ट है, उसके पास ही संयुक्त राष्ट्र के द्वारा संरक्षित क्षेत्र भी है। मात्र आठ सौ करोड़ रूपयों के लिए यह सरकार इस देश के धार्मिक विश्वासों के साथ-साथ इस राष्ट्र की सुरक्षा और राष्ट्र के पर्यावरण के साथ खिलवाड़ कर रही है।

मैं आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध करना चाहूंगा कि सेतु समुद्रम परियोजना को तत्काल स्थगित कर जो नया शपथ पत्र दाखिल किया गया है, उसको वापस लिया जाए।

MR. CHAIRMAN: Hon. Members

Shri Dhananjay Singh,

Shri Chandrakant Khaire,

Shri Pralhad Joshi and

Shri Arjun Ram Meghwal are allowed to associate with the issue raised by Yogi Aditya Nath.

Next is Shri Hansraj G. Ahir. You can raise only one matter.